SKU शोध संचार

(INTERNATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL)

Impact Factor SJIF 2025 – 5.306

अंक-4, खण्ड-3, अक्टूबर - दिसम्बर 2025 E-ISSN : 2584-2900

छतरपुर ज़िले में शिक्षा के साथ रोज़गार की संभावनाएँ - एक अध्ययन

कुलदीप तिवारी

सहायक प्राध्यापक, शिक्षा विभाग

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर (म.प्र.)

सारांश

यह शोध छतरपुर ज़िले में शिक्षा की वर्तमान स्थिति और उससे संबंधित रोजगार संभावनाओं का विश्लेषण प्रस्तुत करता है। बुंदेलखंड क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला यह ज़िला सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से अपेक्षाकृत पिछड़ा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा के स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है परंतु रोजगार के अवसर अभी भी सीमित हैं। इस शोध का उद्देश्य यह समझना है कि शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से स्थानीय युवाओं के लिए किस प्रकार के रोजगार अवसर विकसित किए जा सकते हैं। अनुसंधान में प्राथमिक और द्वितीयक दोनों प्रकार के आँकड़ों का उपयोग किया गया है। निष्कर्षतः यह पाया गया कि यदि शिक्षा को व्यावहारिकता एवं कौशल प्रशिक्षण से जोड़ा जाए, तो छतरपुर में कृषि आधारित उद्योग, पर्यटन, हस्तशिल्प, सेवा क्षेत्र और डिजिटल कार्यों के माध्यम से रोजगार की बड़ी संभावनाएँ विकसित की जा सकती हैं।

बीज शब्द

छतरपुर, शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास, बुंदेलखंड, उद्यमिता, पर्यटन, हस्तशिल्प, कृषि आधारित उद्योग, महिला सशक्तिकरण, डिजिटल रोजगार

प्रस्तावना

मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र का छतरपुर ज़िला सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक दृष्टि से महत्वपूर्ण परंतु पिछड़ा हुआ इलाका माना जाता है। यहाँ की जनसंख्या मुख्यतः ग्रामीण है और आजीविका का प्रमुख साधन कृषि है। परंतु सीमित संसाधनों, अल्प वर्षा और अविकसित

औद्योगिक संरचना के कारण रोजगार के अवसर सीमित हैं। पिछले दशक में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। सरकारी योजनाओं जैसे सर्व शिक्षा अभियान, मुख्यमंत्री कौशल योजना और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना ने युवाओं को नई दिशा दी है। फिर भी शिक्षा और रोजगार के बीच असंतुलन स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

इस शोध का उद्देश्य यह विश्लेषण करना है कि छतरपुर में शिक्षा के स्तर और रोजगार की संभावनाओं के बीच कैसा संबंध है, और कौन-से ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ शिक्षा आधारित रोजगार को बढ़ावा दिया जा सकता है। यह अध्ययन क्षेत्र के समग्र विकास के लिए एक उपयोगी दिशा प्रदान करता है।

शोध विधि

यह अध्ययन मध्य प्रदेश के छतरपुर ज़िले पर केंद्रित है, जिसमें प्रमुख विकासखंड – छतरपुर, राजनगर, लवकुशनगर, बक्स्वाहा और नौगाँव – शामिल हैं। वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक दोनों प्रकार की पद्धति अपनाई गई है। प्राथमिक स्रोत 150 विद्यार्थियों, 25 शिक्षकों, 10 औद्योगिक इकाइयों तथा 5 प्रशासनिक अधिकारियों से प्रश्नावली और साक्षात्कार के माध्यम से जानकारी एकत्र की गई। द्वितीयक स्रोत: जनगणना रिपोर्ट, जिला शिक्षा कार्यालय की वार्षिक रिपोर्ट, मध्य प्रदेश शासन की योजनाएँ, और विभिन्न शोध आलेख। संग्रहित आँकड़ों का विश्लेषण प्रतिशत, औसत और तुलनात्मक पद्धति द्वारा किया गया। गुणात्मक एवं मात्रात्मक दोनों पहलुओं को शामिल किया गया।

शोध विस्तार

छतरपुर में शिक्षा की स्थिति

छतरपुर ज़िले की साक्षरता दर लगभग 70% है, जिसमें पुरुष साक्षरता दर 80% और महिला साक्षरता दर लगभग 60% है। उच्च शिक्षा संस्थानों में महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेज, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, विद्यालय और निजी महाविद्यालय प्रमुख हैं।

SKU
SHODH
शोध संचार
SANCHAR

हालाँकि विद्यालय स्तर पर अधोसंरचना की कमी, प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी, और ग्रामीण इलाकों में विद्यालयों की दूरी जैसी समस्याएँ अभी भी बनी हुई हैं। अध्ययन में कुल 190 उत्तरदाता शामिल थे।

श्रेणी	संख्या	प्रतिशत (%)
विद्यार्थी	150	78.94%
शिक्षक	25	13.15%
औद्योगिक इकाइयाँ	10	5.26%
प्रशासनिक अधिकारी	5	2.63%

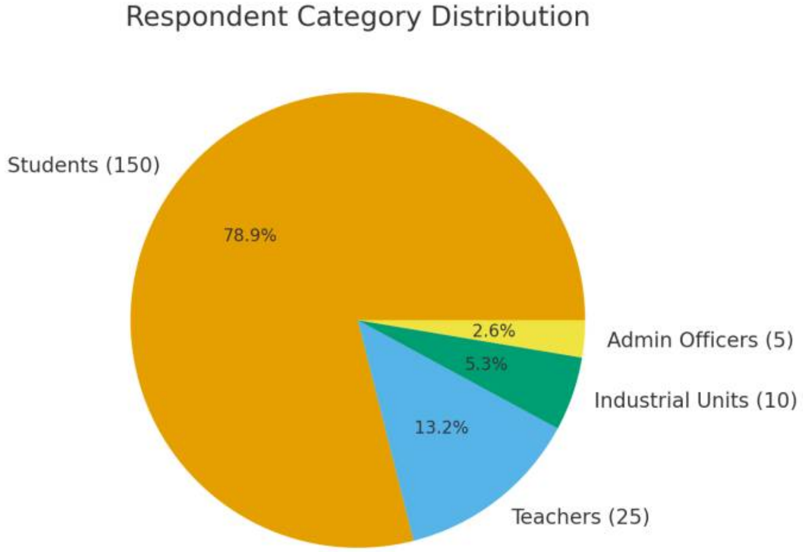

शिक्षा स्तर से संबंधित आँकड़ा विश्लेषण विद्यार्थियों में कौशल आधारित शिक्षा का स्तर

प्रश्न	हाँ (%)	नहीं (%)
क्या आपकी शिक्षा व्यावहारिक/कौशल आधारित है?	32%	68%
क्या आपके विद्यालय/महाविद्यालय में कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध है?	29%	71%
क्या आपको रोजगार- आधारित मार्गदर्शन मिलता है?	21%	79%

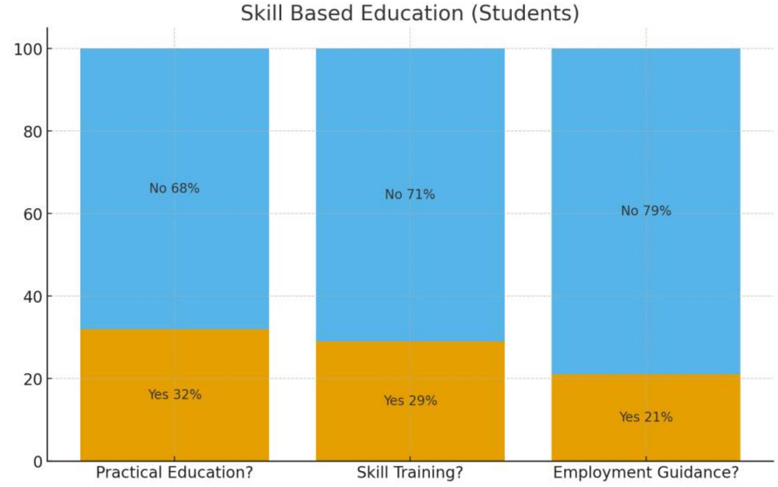

निष्कर्ष

स्पष्ट है कि छतरपुर में शिक्षा अभी भी डिग्री-केंद्रित है, कौशल-केंद्रित नहीं। लगभग 70% विद्यार्थी रोजगारोन्मुख कौशल से वंचित हैं।

SKU SHODH SANCHAR शोध संचार

शिक्षक एवं शिक्षा-प्रशासन से संबंधित परिणाम

विषय	सहमत (%)	असहमत (%)
विद्यालयों में प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी	64%	36%
ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों की दूरी एक समस्या	72%	28%
छात्रों में तकनीकी/ डिजिटल कौशल की कमी	81%	19%

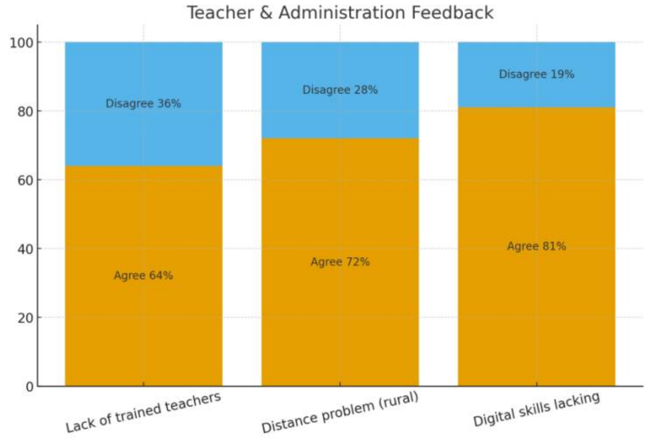

निष्कर्ष

शिक्षकों और अधिकारियों के अनुसार इन्फ्रास्ट्रक्चर, प्रशिक्षित स्टाफ, डिजिटल संसाधनों की भारी कमी है। स्थानीय रोजगार स्रोतों से प्राप्त आँकड़े

उद्योगों/व्यवसायों के 10 उत्तरों पर आधारित डेटा

क्षेत्र	वर्तमान रोजगार क्षमता	भविष्य की क्षमता	प्रमुख बाधाएँ
कृषि आधारित उद्योग	35%	60%	प्रसंस्करण इकाइयों का अभाव
पर्यटन (खजुराहो)	42%	75%	प्रशिक्षित टूर-गाइड की कमी
हस्तशिल्प/कुटीर उद्योग	28%	65%	मार्केटिंग और डिजिटल प्लेटफॉर्म की कमी
डिजिटल सेवाएँ	18%	70%	डिजिटल कौशल एवं प्रशिक्षण की कमी

निष्कर्ष: उद्योगों के अनुसार सबसे बड़ा अवसर पर्यटन, डिजिटल रोजगार और कृषि-प्रसंस्करण में है।

विद्यार्थियों की रोजगार अपेक्षाएँ 150 छात्रों पर आधारित

रोजगार क्षेत्र	अपेक्षाएँ (%)
सरकारी नौकरी	68%
निजी कंपनियाँ	21%
स्वरोज़गारस्टार्टअप/	11%

स्थानीय स्तर पर उपलब्ध वास्तविक रोजगार अवसर

रोजगार क्षेत्र	उपलब्ध अवसर (%)
सरकारी नौकरी	12%
निजी नौकरी	38%
स्वरोज़गारउद्यमिता/	50%

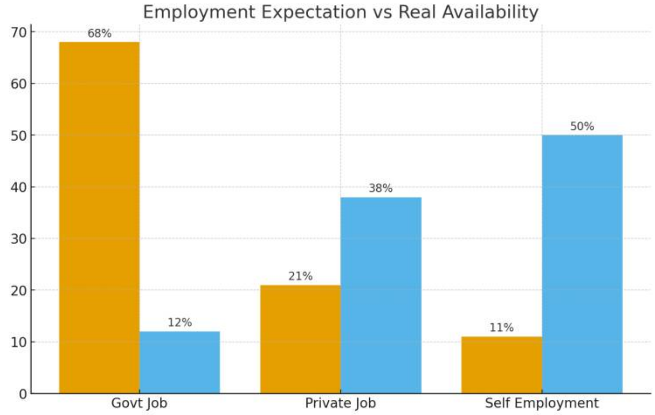

विश्लेषण

यहाँ एक असंतुलन है छात्र मुख्यतः सरकारी नौकरी चाहते हैं, जबकि स्थानीय स्तर पर 50% अवसर उद्यमिता और डिजिटल कार्यों में हैं।

SKU SHODH शोध संचार SANCHAR

डिजिटल रोजगार से संबंधित डेटा

डिजिटल कौशल	दक्ष विद्यार्थी (%)
बेसिक कंप्यूटर ऑपरेशन	58%
इंटरनेट आधारित कार्य (ऑनलाइन मार्केटिंग/फ्रीलांसिंग)	22%
ग्राफिकवीडियो एडिटिंग/	14%
प्रोग्रामिंगवेब डिजाइनिंग/	8%

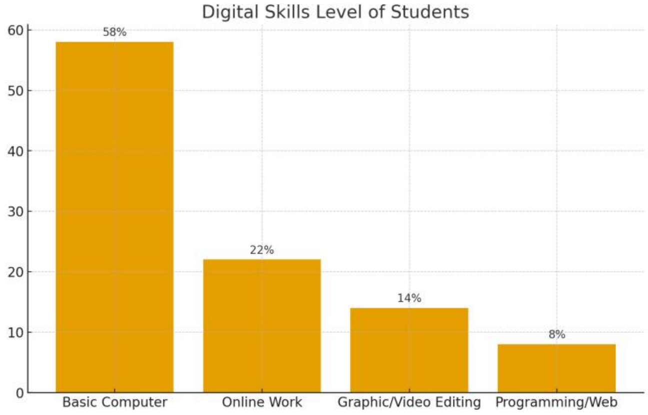

निष्कर्ष

डिजिटल रोजगार की क्षमता विशाल है, परंतु डिजिटल कौशल बेहद कम हैं।

शिक्षा की गुणवत्ता और रोजगार की असमानता

युवा पीढ़ी में शिक्षा के प्रति रुझान तो बढ़ा है, परंतु वह मुख्यतः डिग्री आधारित है, कौशल आधारित नहीं। अधिकांश स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थी रोजगार की तलाश में बड़े शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। स्थानीय स्तर पर शिक्षित युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगार के अवसर नहीं हैं।

स्थानीय रोजगार स्रोतों का विश्लेषण

छतरपुर की अर्थव्यवस्था मुख्यतः कृषि, खनन, पर्यटन और हस्तशिल्प पर आधारित है।

कृषि क्षेत्र: वर्षा आधारित खेती प्रमुख है परंतु फूड प्रोसेसिंग और कृषि उत्पाद विपणन में रोजगार की नई संभावनाएँ हैं।

पर्यटन क्षेत्र: खजुराहो विश्वप्रसिद्ध पर्यटन स्थल होने के कारण होटल प्रबंधन, गाइडिंग, हस्तशिल्प बिक्री जैसे क्षेत्रों में अवसर हैं।

हस्तशिल्प एवं लघु उद्योग: पत्थर की नक्काशी बेलमेटल, टेराकोटा आदि कुटीर उद्योगों को यदि आधुनिक विपणन से जोड़ा जाए तो बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन हो सकता है।

सेवा क्षेत्र: शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग और डिजिटल सेवाओं में भी नए अवसर उभर रहे हैं।

कौशल विकास और उद्यमिता की भूमिका:

कौशल विकास केंद्रों की स्थापना से युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण दिया जा सकता है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और स्टार्टअप इंडिया जैसी योजनाओं से प्रेरित होकर कई युवा लघु उद्योग शुरू कर रहे हैं। महिलाओं के लिए स्वयं सहायता समूह सिलाई, खाद्य प्रसंस्करण, और हस्तनिर्मित वस्तुओं के उत्पादन में सक्रिय हैं।

शिक्षा और रोजगार के बीच सेतु निर्माण की आवश्यकता

शिक्षा संस्थानों में कैरियर परामर्श केंद्रों की कमी है। अधिकांश विद्यार्थी यह नहीं जानते कि उनकी पढ़ाई को रोजगार से कैसे जोड़ा जाए। यदि विद्यालयों और महाविद्यालयों में “कैरियर काउंसलिंग सेल” स्थापित किए जाएँ, और व्यावसायिक शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए, तो यह समस्या काफी हद तक हल हो सकती है।

भविष्य की संभावनाएँ

डिजिटल रोजगार: इंटरनेट आधारित कार्य जैसे फ्रीलांसिंग ऑनलाइन मार्केटिंग, कंटेंट राइटिंग आदि में ग्रामीण युवाओं के लिए अवसर हैं। कृषि-प्रौद्योगिकी आधुनिक कृषि तकनीकें जैसे ड्रिप इरिगेशन, ऑर्गैनिक फार्मिंग, ड्रोन सर्वेक्षण युवाओं के लिए नए रोजगार विकल्प बन सकती हैं। पर्यटन विकास खजुराहो के अलावा राजनगर और बक्स्वाहा में भी ईको-टूरिज़्म और सांस्कृतिक पर्यटन की संभावनाएँ हैं। शिक्षा आधारित स्टार्टअप: कोचिंग सेंटर कंप्यूटर ट्रेनिंग, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म आदि में युवा उद्यमिता को बढ़ावा मिल सकता है।

SKU SHODH शोध संचार SANCHAR

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ रोजगार की नई दिशा

छतरपुर जिले का गौरव, श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, आज शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐसी पहचान बन चुका है जहाँ विद्यार्थियों को केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि रोजगार की गारंटी भी मिलती है। यह विश्वविद्यालय जिले का एकमात्र ऐसा संस्थान है जो छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रखता है।

विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यहाँ छात्रों के व्यक्तित्व विकास, तकनीकी कौशल और रोजगार क्षमता पर विशेष ध्यान दिया जाता है। विभिन्न व्यावसायिक एवं तकनीकी कोर्सों के माध्यम से छात्रों को उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया जाता है। विश्वविद्यालय विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों और संगठनों के साथ समझौता कर विद्यार्थियों को कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से रोजगार के अवसर प्रदान करता है। कई छात्र आज देश-विदेश की नामी कंपनियों में कार्यरत हैं, जो विश्वविद्यालय की गुणवत्ता और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय में

आधुनिक प्रयोगशालाएँ, लाइब्रेरी, अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन और नवाचार को प्रोत्साहित करने वाला वातावरण विद्यार्थियों को सर्वांगीण विकास के लिए प्रेरित करता है। छतरपुर जिले के युवाओं के लिए श्री कृष्णा विश्वविद्यालय एक वरदान साबित हो रहा है जहाँ शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन निर्माण और रोजगार प्राप्ति का माध्यम बन चुकी है।

डिजिटल रोजगार

21वीं सदी का वर्तमान समय डिजिटल क्रांति का युग है। आज इंटरनेट केवल मनोरंजन या जानकारी का साधन नहीं रह गया है, बल्कि यह रोजगार और आत्मनिर्भरता का सबसे बड़ा माध्यम बन चुका है। जहाँ पहले रोजगार का अर्थ सरकारी या निजी कंपनियों में काम करना होता था, वहीं अब डिजिटल रोजगार यानी इंटरनेट आधारित कार्य जैसे फ्रीलांसिंग, ऑनलाइन मार्केटिंग, कंटेंट राइटिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, वीडियो एडिटिंग, वेबसाइट डिजाइनिंग आदि युवाओं के लिए नई दिशा बन रहे हैं। मध्यप्रदेश का छतरपुर जिला जो अपनी सांस्कृतिक धरोहर और कृषि प्रधान जीवनशैली के लिए प्रसिद्ध है, वहाँ के ग्रामीण युवाओं के लिए यह डिजिटल परिवर्तन एक सुनहरा अवसर बन सकता है। यदि सही मार्गदर्शन, संसाधन और प्रशिक्षण मिले, तो यह जिला डिजिटल रोजगार के क्षेत्र में एक मॉडल जिला के रूप में विकसित हो सकता है।

SKU SHODH SANCHAR शोध संचार

डिजिटल रोजगार की अवधारणा और महत्त्व

डिजिटल रोजगार का अर्थ ऐसे कार्यों से है जो मुख्यतः ऑनलाइन माध्यम से किए जाते हैं। इसमें व्यक्ति अपनी सेवाएँ, कौशल या उत्पाद इंटरनेट के माध्यम से प्रदान करता है और इसके बदले आय अर्जित करता है। इसकी कुछ प्रमुख विशेषताएँ हैं कार्य के लिए किसी भौतिक कार्यालय की आवश्यकता नहीं, समय और स्थान की स्वतंत्रता, वैश्विक स्तर पर ग्राहकों के साथ काम करने का अवसर, कम निवेश में अधिक आय की संभावना। छतरपुर जैसे जिले में, जहाँ पारंपरिक उद्योग या फैक्ट्रियाँ कम हैं, वहाँ डिजिटल रोजगार ग्रामीण युवाओं को घर बैठे रोजगार देने की क्षमता रखता है। ग्रामीण युवाओं के लिए डिजिटल रोजगार के प्रमुख क्षेत्र

फ्रीलांसिंग

फ्रीलांसिंग का अर्थ है अपनी किसी विशेषज्ञता जैसे ग्राफिक डिजाइन), लेखन, अनुवाद, प्रोग्रामिंग, वीडियो एडिटिंग आदिके आधार पर दुनिया भर के क्लाइंट्स के लिए ऑनलाइन काम करना। (प्लेटफॉर्म जैसे – Upwork, Fiverr, Freelancer, Toptal पर छतरपुर के युवा प्रोफ़ाइल बनाकर काम शुरू कर सकते हैं।

ऑनलाइन मार्केटिंग और सोशल मीडिया प्रमोशन - ग्रामीण क्षेत्रों के युवा अपने ही क्षेत्र के उत्पादों को Facebook, Instagram, YouTube, Amazon, Flipkart जैसे प्लेटफार्म पर प्रमोट कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, बक्सवाहा या राजनगर क्षेत्र के हस्तनिर्मित सामान को ऑनलाइन बेचकर आय अर्जित की जा सकती है।

SKU SHODH SANCHAR शोध संचार

कंटेंट राइटिंग और ब्लॉगिंग - अगर किसी युवा को लेखन में रुचि है, तो वह ब्लॉग लिखने, समाचार पोर्टल के लिए लेख तैयार करने या कंटेंट एजेंसियों में फ्रीलांस कंटेंट राइटर के रूप में काम कर सकता है।

ग्राफिक डिजाइन और वीडियो एडिटिंग - YouTube और सोशल मीडिया के युग में डिजाइन और वीडियो एडिटिंग की बहुत मांग है। छतरपुर के युवा Canva, Photoshop, CapCut, Premiere Pro जैसे टूल्स सीखकर स्वतंत्र रूप से काम कर सकते हैं।

ऑनलाइन शिक्षण और ट्यूशन - शिक्षित युवा Byju’s, Vedantu, Unacademy या YouTube चैनल के माध्यम से ऑनलाइन पढ़ाकर आय अर्जित कर सकते हैं।

डिजिटल साक्षरता और प्रशिक्षण की आवश्यकता - डिजिटल रोजगार का लाभ तभी संभव है जब युवाओं के पास आवश्यक डिजिटल कौशल हों। छतरपुर जिले में अधिकांश ग्रामीण युवाओं के

पास मोबाइल और इंटरनेट की पहुँच तो है परंतु डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कार्य करने का ज्ञान सीमित है। इस स्थिति में कुछ उपाय किए जा सकते हैं

शिक्षा संस्थानों की भूमिका - जिले के समस्त विद्यालय तथा महाविद्यालय “डिजिटल रोजगार प्रशिक्षण केंद्र” स्थापित करें। वहाँ फ्रीलांसिंग, डिजिटल मार्केटिंग, कंप्यूटर कौशल (Certificate Courses) चलाए जाएँ।

सरकारी योजनाओं से सहयोग - प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत युवाओं को डिजिटल कौशल में प्रशिक्षित किया जा सकता है। डिजिटल इंडिया मिशन के माध्यम से गाँव-गाँव में डिजिटल साक्षरता शिविर लगाए जा सकते हैं।

एनजीओ और निजी क्षेत्र की भागीदारी - स्थानीय गैर-सरकारी संगठन (NGOs) युवाओं को इंटरनेट आधारित कार्यों की जानकारी दें। Microsoft, Google, Meta (Facebook) जैसी कंपनियों की डिजिटल ट्रेनिंग योजनाओं को जिले में लागू किया जा सकता है।

स्थानीय संसाधनों के साथ डिजिटल एकीकरण - छतरपुर की अर्थव्यवस्था कृषि, हस्तशिल्प और पर्यटन पर आधारित है। इन तीनों क्षेत्रों को डिजिटल माध्यम से जोड़कर रोजगार बढ़ाया जा सकता है।

कृषि उत्पादों की ऑनलाइन बिक्री - किसान ई-नाम (e-NAM) और Agri-Tech प्लेटफार्म के माध्यम से अपने उत्पादों को सीधे बाजार तक पहुँचा सकते हैं।

हस्तशिल्प और कला का डिजिटल प्रचार - छतरपुर के ग्रामीण कारीगर अपने उत्पादों को Instagram Store, Etsy, Amazon Handmade जैसे प्लेटफार्म पर बेच सकते हैं।

पर्यटन और संस्कृति का प्रचार - खजुराहो और बक्सवाहा क्षेत्र के पर्यटन स्थलों का डिजिटल प्रमोशन करके टूर गाइड, फोटोग्राफी, और ब्लॉगिंग के जरिए आय अर्जित की जा सकती है। डिजिटल साक्षरता अभियान चलाए जाएँ ताकि हर युवा को इंटरनेट के अवसरों की जानकारी हो।

आर्थिक संसाधनों की कमी - युवाओं को माइक्रो फाइनेंस योजनाओं और स्टार्टअप इंडिया फंडिंग से सहायता दी जाए। मार्केट तक पहुँच की कठिनाई स्थानीय व्यापार मंडल और विश्वविद्यालय मिलकर डिजिटल रोजगार मेले आयोजित करें।

सफलता के उदाहरण और प्रेरणा - भारत में छोटे शहरों और गाँवों से कई युवाओं ने डिजिटल रोजगार के क्षेत्र में नाम कमाया है। बिहार, झारखंड, और उत्तर प्रदेश के कई युवा YouTube चैनल चलाकर लाखों कमा रहे हैं। मध्यप्रदेश के कुछ जिलों में महिला स्वयं सहायता समूहों ने ऑनलाइन हस्तनिर्मित उत्पाद बेचकर आत्मनिर्भरता प्राप्त की है। छतरपुर के युवा भी इन उदाहरणों से प्रेरणा लेकर अपने जिले को डिजिटल हब बना सकते हैं। भविष्य की संभावनाएँ यदि आने वाले वर्षों में छतरपुर में हर ग्राम पंचायत में डिजिटल रोजगार केंद्र, हर कॉलेज में डिजिटल कौशल पाठ्यक्रम, और हर युवा के पास इंटरनेट आधारित कार्य का अवसर होगा, तो यह जिला ग्रामीण डिजिटलीकरण का आदर्श मॉडल बन सकता है।

निष्कर्ष

इस अध्ययन से स्पष्ट होता है कि छतरपुर ज़िले में शिक्षा का स्तर तो धीरे-धीरे सुधर रहा है, परंतु उसे रोजगारपरक बनाने की आवश्यकता है। शिक्षा को स्थानीय संसाधनों और आर्थिक संरचना से जोड़कर ही स्थायी विकास संभव है। कृषि, पर्यटन, हस्तशिल्प और सेवा क्षेत्र ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ शिक्षित युवाओं के लिए व्यापक संभावनाएँ हैं। इसके लिए आवश्यक है कि सरकार, शैक्षणिक संस्थान और निजी क्षेत्र मिलकर कौशल विकास, कैरियर मार्गदर्शन और उद्यमिता को प्रोत्साहन दें। डिजिटल युग में रोजगार के नए आयाम खुल चुके हैं। अब नौकरी पाने के लिए

शहरों की ओर पलायन की आवश्यकता नहीं, क्योंकि रोजगार अब इंटरनेट के जरिये गाँवों तक पहुँच चुका है।

यदि छतरपुर जिले के ग्रामीण युवा अपने मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग केवल मनोरंजन के बजाय सीखने और काम करने के लिए करें, तो वे न केवल आत्मनिर्भर बनेंगे, बल्कि अपने क्षेत्र की आर्थिक स्थिति को भी सशक्त करेंगे। डिजिटल रोजगार केवल एक करियर विकल्प नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के लिए आर्थिक स्वतंत्रता और विकास की कुंजी बन सकता है। छतरपुर की युवा पीढ़ी यदि इस दिशा में आगे बढ़े, तो वह "डिजिटल भारत, आत्मनिर्भर भारत" के सपने को साकार कर सकती है।

संदर्भ सूची

1. मध्य प्रदेश शासन, जिला सांख्यिकी कार्यालय, "छतरपुर जिला वार्षिक रिपोर्ट", 2024।
2. जनगणना भारत, 2011 एवं 2021 प्रारंभिक आँकड़े।
3. "बुंदेलखंड क्षेत्र का सामाजिक-आर्थिक अध्ययन", मध्य प्रदेश योजना आयोग, भोपाल, 2023।
4. शिक्षा विभाग, "मध्य प्रदेश में कौशल विकास योजनाएँ", भोपाल, 2024।
5. कुमार, एस. (2022), ग्रामीण शिक्षा और रोजगार के संबंध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY) रिपोर्ट, भारत सरकार, 2023।
7. छतरपुर जिला वेबसाइट: https://chhatarpur.nic.in
8. प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY) की आधिकारिक वेबसाइट

SKU SHODH SANCHAR शोध संचार